NEW EDUCATION POLICY (NEP) 2020

UNIVERSITY DEPARTMENT OF KHORTHA

Tribal and Regional Languages (TRL)

HONOURS PROGRAMME

SUBJECT CODE =

FOR UNDER GRADUATE COURSES UNDER RANCHI UNIVERSITY

Implemented from

Academic Session 2025-29

New Education Policy (NEP-2020) For under graduate course 2026 as per guidance of Ranchi University, Ranchi.

Syllabus of KHORTHA

Board of Study

1. Dr. Kumari Shashi (Chair person)
   Head of Department
   Dept of Khortha, R U

Shashi
20.04.26

2. Dr. Archana Kumari (member)
   Assistant professor
   Dept of Khortha, R U

Archana Kumari
20/04/2026

3. Dr. Arvind Kumar (member)
   Assistant professor
   Dept of Khortha,
   Doranda college, R U

Arvind Kumar
20/04/2026

4. Dr. Ritu Ghansi (member)
   Assistant professor
   Dept of Khortha,
   Ranchi Womens College, R U

Ritu Ghansi
21/04/2026

5. Dr. Awadh Bihari Mahto (member)
   Assistant professor
   Dept of Khortha,
   Marwari College, R U

6. Dr. Niranjan Kumar (member) – Niranjan Kumar 20/04/26
   Assistant professor(N. B.)
   Dept of Khortha, R U

7. Dr. Dinesh Kumar (member) – Dinesh 20/04/26
   Assistant professor(N. B.)
   Dept of Khortha, R U.

Shashi 20.04.26

HOD

Univ. Dept of Khortha,

Ranchi University, Ranchi.

H.O.D
University Deptt. of Khortha
Ranchi University, Ranchi

Table 6 : Semester wise course code and credit point major courses in KHORTHA :

Semester	Courses		Examination Structure			
	Code	Papers	Credits	Mid Semester Theory (F.M.)	End Semester Theory (F.M.)	End Semester Practical/ Viva (F.M.)
I	MJ-1	खोरठा भाषा एवं साहित्य का इतिहास	4	25	75	---
	SEC-1	झारखंड के पर्यटन स्थल एवं प्राचीन स्मारक	3	---	75	---
II	MJ-2	खोरठा भाषा का व्याकरण	4	25	75	---
	SEC-2	झारखंड के स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रमुख विभूति	4	25	75	---
III	MJ-3	सामान्य लोक साहित्य	4	25	75	---
	MJ-4	खोरठा भाषा का लोक साहित्य	4	25	75	---
	SEC-3	Elementary Computer Application Softwares	3	---	75	---
IV	MJ-5	भारतीय ज्ञान परंपरा (INDIAN KNOWLAGE SYSTEM)	4	25	75	---
	MJ-6	खोरठा का पद्य साहित्य	4	25	75	---
	MJ-7	खोरठा भाषा का कहानी साहित्य	4	25	75	---
V	MJ-8	खोरठा भाषा का निबंध साहित्य	4	25	75	---
	MJ-9	खोरठा भाषा का निबंध साहित्य	4	25	75	---
	MJ-10	सामान्य भाषा का नाट्य साहित्य	4	25	75	---
	MJ-11	भारतीय एवं झारखंडी साहित्य का अंतर्संबंध	4	25	75	---
VI	MJ-12	हिंदी साहित्य का इतिहास, काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ	4	25	75	---
	MJ-13	सामान्य भाषा विज्ञान	4	25	75	---
	MJ-14	खोरठा का भाषा विज्ञान	4	25	75	---
	MJ-15	खोरठा की नवीन साहित्य विधाएँ	4	25	75	---
VII	MJ-16	खोरठा की पत्र–पत्रिकाएँ	4	25	75	---
	MJ-17	साहित्य सिद्धांत	4	25	75	---
	MJ-18	अनुवाद विज्ञान	4	25	75	---
	MJ-19	भारतीय साहित्य	4	25	75	---
VIII	MJ-20	सामान्य जाति विज्ञान	4	25	75	---
	AMJ-1	झारखंडी कानून एवं पारंपरिक शासन व्यवस्था	4	25	75	---
	AMJ-2	खोरठा भाषा का प्रकीर्ण साहित्य	4	25	75	---
	AMJ-3	झारखण्डी समुदाय के संस्कार एवं संस्कृति	4	25	75	---
	or RC-1	अनुसंधान योजना एवं तकनीक	4	25	75	---
	RC-2	परियोजना कार्य / क्षेत्रीय कार्य / शोध प्रशिक्षण कार्य	8	50	---	150
		Total Credit	114			

Semester – I

MAJOR COURSE- MJ 1:

खोरठा भाषा एवं साहित्य का इतिहास

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100 | Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर खोरठा में अपेक्षित हैं

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा एवं साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्‌भव, विकास आदि के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा भाषा साहित्य के आरम्भिक व विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
3. खोरठा साहित्य के भावगत, भाषागत, शैलीगत आदि विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

(इस पत्र का प्रश्नोत्तर अपनी भाषा– खोरठा में अपेक्षित है।)

प्रस्तावित संरचनाः

खोरठा भाषा एवं साहित्य का इतिहास

इकाई–1: खोरठा भाषा का सामान्य परिचय

खोरठा भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्‌भव, विकास, लेखन परम्परा, नामकरण, क्षेत्र–विस्तार, खोरठा भाषा–भाषी समुदाय एवं जनसंख्या, खोरठा भाषा के विविध रूप, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

इकाई–2 : खोरठा पद्य साहित्य का इतिहास – सामान्य परिचय
(क) प्राचीन काल
(ख) मध्यकाल
(ग) आधुनिक काल

इकाई–3 : खोरठा गद्य साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय
(क) प्राचीन काल
(ख) मध्यकाल
(ग) आधुनिक काल

सहायक पुस्तकें :–

1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) – डॉ. बी. एन. ओहदार
2. खोरठा शिष्ट साहित्य – डॉ. अर्चना कुमारी
3. खोरठा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. ए. के. झा
4. खोरठा भासा–साहितेक बिकास–जातरा – डॉ. दिनेश कुमार 'दिनमणि'

SEC-1

झारखण्ड के पर्यटन स्थल एवं प्राचीन स्मारक

Marks: 75 (ESE: 3Hrs) = 75	Pass Marks: Th (ESE) = 30

(Credits: Theory-03) 45 Hours

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. इससे विद्यार्थी झारखण्ड के पर्यटन स्थल एवं प्राचीन स्मारक को जान सकेंगे।
2. किसी भी भूभाग को जानने से पहले उसके प्राचीन इतिहास के बारे में जानना जरूरी है, इससे विद्यार्थी झारखण्ड के प्रायः सभी पर्यटक स्थल व प्राचीन स्मारकों के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

झारखण्ड के पर्यटन स्थल एवं प्राचीन स्मारक का सामान्य परिचय

इकाई 1. बैद्यनाथ धाम, छिन्नमस्तिका मंदिर, महामया मंदिर, झारखंडी धाम, कल्हुआ महाड़, पद्मा का राजगढ़, बरकट्ठा का गर्म जलकुंड, इस्को गुफा, पकरी बरवाडीह (मेगालिथ)।

इकाई 2. झारखण्ड के प्रमुख पर्यटन स्थल – हुंडरू जल प्रपात, जोन्हा जल प्रपात, दशम जल प्रपात, डोम्बारी पहाड़, मरांग बुरू पारसनाथ पहाड़, लुगुबुरू घंटाबाड़ी, चुल्हा पानी, बुढ़ा घाघ, पलामु किला, तिलैया डैम, मैथन डैम पतरातु डैम, तोपचाँची झील, रूका डैम, बेतला नेशनल पार्क, रॉक गार्डेन, टैगोर हिल आदि।

सहायक पुस्तकें :–

1. झारखण्ड के प्राचीन स्मारक – डॉ. भुवनेश्वर अनुज
2. राँची जिला के प्रमुख धार्मिक स्थलों का ऐतिहासिक अध्ययन – डॉ. मनोज कुमार साव
3. झारखंड : साहित्य संस्कृति एवं पुरातत्व – डॉ. बिनोद कुमार राज 'विद्रोही'

Semester – II

MAJOR COURSE- MJ 2

खोरठा भाषा का व्याकरण

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर खोरठा में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम के इस अंष का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. व्याकरण भाषा की कसौटी होता है। इसी से भाषा निखरती है। भाषा के वैज्ञानिक ज्ञान हेतु व्याकरण की आवश्यकता होती है। इससे विद्यार्थी खोरठा भाषा के व्याकरण से परिचित हो सकेंगे।
2. व्याकरण की परम्परा, आवश्यकता, उपयोगिता एवं विशेषताओं के बारे में जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

खोरठा व्याकरण का सामान्य परिचय

इकाई 1. खोरठा व्याकरण की परम्परा, व्याकरण की आवश्यकता एवं विशेषताएँ।

इकाई 2. ध्वनि, वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन, लिंग – परिभाषा एवं भेद।

इकाई 3. कारक, क्रिया, क्रिया–विशेषण, वाच्य, अव्यय, काल, उपसर्ग, प्रत्यय एवं समास– परिभाषा व भेद।

सहायक पुस्तकें :–

1. खोरठा सहित सदानिक बेयाकरन – डॉ. ए.के. झा
2. खोरठा व्याकरण – डॉ. निरंजन कुमार
3. आधुनिक खोरठा बेयाकरन आर रचना – डॉ. दिनेश कुमार 'दिनमणि'

SEC-2

झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रमुख विभूति

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75(ESE : 3Hrs)=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के प्रश्नों के उत्तर हिंदी में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा:-

1. विद्यार्थी झारखण्ड के अमर स्वतंत्रता सेनानी एवं महापुरुषों के जीवन से परिचित हो सकेंगे।
2. भारत की आजादी के महानायकों में अपने शूरवीर पूर्वजों के योगदान का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थियों अपने पूर्वजों के गौरव, त्याग, तपस्या, देश-प्रेम से प्रेरणा ले सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रमुख विभूति

इकाई 1. सिद्धो-कान्हू, तिलका मांझी, ठाकुर विश्वनाथ साहदेव, पाण्डेय गणपत राय, शेख भिखारी, टिकैत उमराव, बिरसा मुण्डा, बुधु भगत, जतरा टाना भगत, तेलंगा खड़िया, नीलाम्बर-पिताम्बर, सिनगी दई, रामनारायण सिंह आदि।

इकाई 2. अल्बर्ट एक्का, जयपाल सिंह मुण्डा, कार्तिक उराँव, बिनोद बिहारी महतो, निर्मल महतो आदि।

सहायक पुस्तकें :-

1. झारखण्ड विभूति एवं शहीद - डॉ. गिरिधारी राम गौंझू
2. झारखण्ड के शहीद - डॉ. भुवनेश्वर अनुज

Semester – III

MAJOR COURSE- MJ 3

सामान्य लोक साहित्य

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100 | Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. विद्यार्थी मानव–सभ्यता के आरंभिक साहित्य के रूप लोक साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. लोक साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियों, विशेषताओं और महत्त्व से अवगत हो सकेंगे।
3. लोक साहित्य में निहित लोक–भावना, लोक–ज्ञान और लोक परम्पराओं के निरीक्षण की दृष्टि प्राप्त कर सकेंगे।
4. लोक साहित्य और लोक–संस्कृति के अंतर्संबंधों को समझने की दिशा में अग्रसर होंगे।
5. वर्त्तमान में लोक साहित्य की प्रासंगिकता और उपादेयता की विवेचना कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

लोक साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. लोक साहित्य की अवधारणा, परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ एवं महत्व।

इकाई 2 .लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा एवं लोक नाट्य की परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

इकाई 3. प्रकीर्ण साहित्य– लोकोक्ति, मुहावरे, पहेली, मंत्र, खेलगीत– परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

सहायक पुस्तकें :–

1. सामान्य लोक साहित्य – डॉ निरंजन कुमार
2. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोक साहित्य और संस्कृति – डॉ. दिनेश्वर प्रसाद
4. भारतीय लोक साहित्य – डॉ. श्याम परमार
5. लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति – डॉ. शिखा रस्तोगी

MAJOR COURSE- MJ 4

खोरठा भाषा का लोक साहित्य

Marks : 25 (Sstd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100 | Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर खोरठा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1॰ इससे विद्यार्थी खोरठा भाषा के लोक साहित्य के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2॰ लोक साहित्य में लोक भावना, लोक ज्ञान और लोक परम्परा रहती है। इससे विद्यार्थी लोक साहित्य एवं उसके स्वरूप, विशेषताओं आदि के बारे में जान सकेंगे।
3॰ खोरठा साहित्य के विविध रूपों, यथा– लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा एवं प्रकीर्ण साहित्य से अवगत हो सकेंगे।
4॰ झारखंड के वृहत क्षेत्र की लोकभाषा खोरठा के लोक साहित्य के अध्ययन से खोरठा भाषी समुदाय के साहित्य क्षेत्र के सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक–राजनीतिक व्यवहार की परंपरा से अवगत हो सकेंगे।
5॰ विद्यार्थी खोरठा भाषी समुदाय की पारंपरिक साहित्य सृजनात्मक अभिरुचि से अवगत हो सकेंगे।
6॰ विद्यार्थी खोरठा के लोक साहित्य के अध्ययन से संबंधित लोक परिवेश का भी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

खोरठा भाषा के लोक साहित्य अंतर्गत लोकगीत, लोककथा और लोकगाथा एवं प्रकीर्ण साहित्य।

खोरठा लोक साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई–1 : लोकगीत – परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

इकाई–2 : लोक कथा एवं लोकनाट्य – परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

इकाई–3. : खोरठा में प्रचलित लोकगाथा महराइ का सामान्य परिचय।

सहायक पुस्तकें :–

2. खोरठा लोक साहित्य – शिवनाथ प्रमाणिक
3. खोरठा लोकगीतों में नारी चित्रण – डॉ. कुमारी शशि
4. खोरठा लोक गीतों का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. बिनोद कुमार
5. खोरठा लोकसाहित – कल्याण विभाग, झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची (झारखण्ड सरकार)
6. खोरठा लोक साहित्य – डॉ. भोलानाथ महतो
7. खोरठा भासा–साहितेक बिकास जातरा – डॉ. दिनेश कुमार दिनमणि

SKILL ENHANCEMENT COURSE- SEC 3:

ELEMENTARY COMPUTER APPLICATION SOFTWARES

Marks: 75 (ESE: 3Hrs) = 75 A Common Syllabus for FYUGP Pass Marks: Th (ESE) = 30 (Credits: Theory-03) 45 Hours

Instruction to Question Setter There will be objective type test consisting of Seventy-five questions of 1 mark each. Students are required to mark their answer on OMR Sheet provided by the University. Course Objectives: The objective of the course is to generate qualified manpower in the area of Information Technology (IT) and Graphic designing which will enable such person to work seamlessly at any Offices. 1. Basic Concept of Computer: What is Computer, Applications of Computer, Types of computer, Components of Computer System, Central Processing Unit (CPU) (3 Hours) 2. Concepts of Hardware: Input Devices, Output Devices, Computer Memory, Types of Memory, processing Concept of Computer (4 Hours) 3. Operating system: Operating System, Functions of Operating System (Basic), Introduction to Windows 11, Working on Windows 11 environment, Installation of Application Software, My Computer, Control Panel, searching techniques in windows environment, Basic of setting (6 Hours) 4. Concept of Software: What is Software, Types of Software, Computer Software- Relationship between Hardware and Software, System Software, Application Software, some high level languages (4 Hours) 5. Internet & its uses: Basic of Computer networks; LAN, WAN, MAN, Concept of Internet, Applications of Internet; connecting to internet, what is ISP, World Wide Web, Web Browsing software's, Search Engines, URL, Domain name, IP Address, using e-governance website, Basics of electronic mail, getting an email account, Sending and receiving emails. (6 Hours) 6. Microsoft Word: Word processing concepts, Creation of Documents, Formatting of Documents, Formatting of Text, Different tabs of word 2016 environment, Formatting Page, Navigation of Page, Table handling, Header and footer, Page Numbering, Page Setup, Find and Replace, Printing the documents (7 Hours) 7. Microsoft Excel (Spreadsheet): Spreadsheet Concepts, Creating, Saving and Editing a Workbook, Inserting, Deleting Work Sheets, Formatting worksheet, Excel Formula, Concept of charts and Applications, Pivot table, goal seek, Data filter, data sorting and scenario manager, printing the spreadsheet (6 Hours) 8. Microsoft Power Point (Presentation Package): Concept and Uses of presentation package, Creating, Opening and Saving Presentations, working in different views in Power point, Animation, slide show, Master Slides, Creating photo album, Rehearse timing and record narration (5 Hours) 9. Digital Education: Introduction & Advantages of digital Education, Concept of e-learning, Technologies used in e learning (4 Hours) Reference Books 1. 2. 3. 4. 5. 6. Nishit Mathur, Fundamentals of Computer, APH publishing corporation (2010) Neeraj Singh, Computer Fundamentals (Basic Computer), T Balaji, (2021) Joan Preppernau, Microsoft Power Point 2016 step by step, Microsoft press (2015) Douglas E Corner, The Internet Book 4th Edition, prentice –Hall (2009) Wallace Wang, Microsoft Office 2019, Wiley (January 2018) Noble Powell, Windows 11 User Guide For Beginners and Seniors, ASIN, (October 2021)

Semester – IV

MAJOR COURSE- MJ 05

भारतीय ज्ञान परंपरा (INDIAN KNWOLAGE SYSTEM)

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परम्परा की विविध आयामों से अवगत होंगे।
2. प्राचीन शिक्षा–प्रणाली के विविध रूपों की परंपरा से अवगत हो सकेंगे।
3. भारत की प्राचीन वैश्विक महत्त्व की धरोहरों से अवगत हो सकेंगे।
4. विद्यार्थियो मे भारतीय सभ्यता–संस्कृति के प्रति गौरव के भाव का विकास होगा।
5. विद्यार्थियों में भारतीय आदर्श और राष्ट्रीय मूल्यों का समावेश हो सकेगा।

प्रस्तावित संरचना :–

भारतीय ज्ञान परंपरा का सम्यक् बोध

इकाई 1. भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा व विविध आयाम, परिचय और समझ।

इकाई 2. भारत के प्राचीन एवं पारंपरिक शिक्षा केंद्र–गुरुकुल, नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला विश्वविद्यालय, युवागृह, चौपाल, अखरा आदि।

इकाई 3. भारत के प्राचीन ज्ञान के स्रोत :

वाचिक–परंपरा – लोक कहावतें, दंतकथाएँ व लोकमान्यताएँ।

लिखित परंपरा – वैदिक साहित्य, जातक कथाएँ, पंचतंत्र, हितोपदेश आदि।

इकाई 4. प्रमुख भारतीय दर्शन – जैन दर्शन, बौद्ध दर्शन और योग दर्शन के प्रमुख सिद्धांत।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :–

1. भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम – संपादक : प्रो. सरोज शर्मा
2. भारतीय ज्ञान परंपरा प्रबुद्ध भारत – लेखक : डॉ. प्रेरणा ठाकुर, दिनेश महाजन
3. वृहत् खोरठा प्रकीर्ण साहित्य – लेखक : श्याम सुंदर महतो, डॉ कुमुद कला मेहता
4. घाघ और भड्डरी की कहावतें – संपादक : डॉ रमेश प्रताप सिंह
5. खोरठा लोक साहित्य – लेखक : डॉ. भोलानाथ महतो।
6. झारखंड की जनजातियाँ – लेखक : डॉ. चतुर्भुज साहु।

MAJOR COURSE- MJ-6

खोरठा का पद्य साहित्य

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर खोरठा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. खोरठा पद्य साहित्य की विकास परंपरा से अवगत हो सकेंगे।
2. खोरठा पद्य साहित्य में निहित भाव, संवेदना, विचार व संदेश से अवगत हो सकेगें।
3. विद्यार्थी खोरठा भाषा के साहित्य के विकास में खोरठा के प्रमुख कवियों और उनके योगदान से परिचित हो सकेंगे।
4. निर्धारित खोरठा काव्य रचनाओं के अध्ययन से विद्यार्थियों के मानवीय चरित्र के विकास की सकरात्मक दिशा मिल सकेगी।

प्रस्तावित संरचना :–

खोरठा पद्य साहित्य का सामान्य परिचय, उद्‌भव एवं विकास तथा प्रतिनिधि काव्य रचनाएँ

इकाई 1. खोरठा पद्य साहित्य का सामान्य परिचय, उद्‌भव एवं विकास

इकाई 2. खोरठा के प्रमुख कवि : भुनेश्वर दत्त शर्मा, श्रीनिवास पानुरी, डॉ. ए.के. झा, शिवनाथ प्रमाणिक, विश्वनाथ दसौंधी राज, विश्वनाथ नागर, डॉ. बिनोद कुमार, बंशीलाल बंशी, सुकुमार, डॉ. कुमारी शशि, आदि।

इकाई 3. खोरठा के प्रतिनिधि काव्य :

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :–

1. दामुदरेक कोराञ ('मेला' और 'सरंची–कमल' सर्ग) – शिवनाथ प्रमाणिक
2. बावाँ हाँथेक रतन – सुकुमार
3. जिनगीक डहर(1–15 कविताएँ) – डॉ. कुमारी शशि

MAJOR COURSE- MJ 7

खोरठा भाषा का कहानी साहित्य

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40
	(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्रके उत्तर खोरठा में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. गद्य साहित्य की प्रमुख और सर्वाधिक लोकप्रिय विधा के रूप में विद्यार्थी कहानी साहित्य के स्वरूप, तत्त्व और विविध शैली–शिल्प के संदर्भ में जान सकेंगे।
2. विद्यार्थी खोरठा कहानी साहित्य के उद्‌भव और विकास का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. निर्धारित पाठ्य खोरठा कहानियों में निहित विचार–संदेश से विद्यार्थी की जीवन व समाज दृष्टि के आयाम का विकास होगा।

प्रस्तावित संरचना :–

खोरठा गद्य साहित्य एवं कहानी का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि कहानी एवं कहानीकार

इकाई 1. कहानी की परिभाषा, कहानी के तत्व, कहानी का ध्येय, कहानी का प्रारम्भ और अंत, कहानी के स्वरूप विशेषताएँ, महत्त्व।

इकाई 2. खोरठा शिष्ट कहानी का उद्‌भव–विकास,

इकाई 3. खोरठा की प्रतिनिधि कहानियाँ एवं कहानीकार।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :–

1. **नीमछिछकी** – शांति भारत

सहायक पुस्तकें :–

1. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन – डॉ. अर्चना कुमारी
2. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) – डॉ. बी. एन. ओहदार
3. खोरठा भासा–साहितेक विकास–जातरा – डॉ. दिनेश कुमार दिनमणि

MAJOR COURSE- MJ 8

खोरठा भाषा का निबंध साहित्य

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40
	(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्रके उत्तर खोरठा में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के निबंध साहित्य की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा निबंध खोरठा समाज का प्रतिबिम्ब है। इसकी जानकारी विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

निबंध का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि निबंध एवं निबंधकार।

इकाई 1. निबंध शब्द का अर्थ एवं परिभाषा, नाटक की महत्ता, अभिव्यक्ति के प्रकार, निबंध के प्रकार आदि।

इकाई 2. खोरठा साहित्य में निबंधों का उद्‌भव–विकास,
खोरठा के प्रतिनिधि निबंध एवं निबंधकार।

इकाई 3. भाषा सम्बन्धी निबंध (खोरठा भाषा का उद्‌भव–विकास, क्षेत्र–विस्तार आदि से सम्बन्धित निबंध)
साहित्य सम्बन्धी निबंध (खोरठा भाषा के साहित्यकारों पर निबंध)
संस्कृति सम्बन्धी निबंध (पर्व–त्योहार एवं संस्कार आदि से सम्बन्धित निबंध)

पाठ्य पुस्तक :–

1. खोरठा निबंध – डॉ. बी. एन. ओहदार
2. खोरठाक काठें गइदेक खँड़ी – ए. के. झा

सहायक पुस्तकें :–

1. साहित्यिक निबंध – गणपति चन्द्र गुप्त
2. काव्य के रूप – गुलाब राय
3. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन – डॉ. अर्चना कुमारी
4. खोरठा भासा–साहितेक बिकास–जातरा – डॉ. दिनेश कुमार दिनमणि

Semester – V

MAJOR COURSE- MJ - 9

खोरठा का उपन्यास साहित्य

Marks : 25 (Sessional +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर खोरठा में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के गद्य विधा की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. उपन्यास समाज का वृहत् दर्पण होता है। विद्यार्थी खोरठा भाषी व वर्णित बाह्य समाज का प्रतिबिंब खोरठा उपन्यासों के माध्यम से जान पाएँगे।
3. विद्यार्थी को इस पत्र में खोरठा के प्रतिनिधि उपन्यास की भाव–शिल्प की विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

उपन्यास का सामान्य परिचय, खोरठा के प्रतिनिधि उपन्यास एवं उपन्यासकार।

इकाई 1. उपन्यास साहित्य का परिचय, परिभाषा, उपन्यास के तत्त्व एवं उपन्यास के प्रकार।

इकाई 2. खोरठा उपन्यास साहित्य– उद्‌भव–विकास एवं विशेषताएँ।
खोरठा के प्रतिनिधि उपन्यास एवं उपन्यासकार।

पाठ्य पुस्तकें :–

1. भगजोगनी – विश्वनाथ दसौंधी राज
2. दुखिया – डॉ. कुमारी शशि

सहायक पुस्तकें :–

1. काव्य के रूप – गुलाब राय
2. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) – डॉ. बी. एन. ओहदार
3. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन – डॉ. अर्चना कुमारी
4. खोरठा भासा–साहितेक विकास–जातरा – डॉ. दिनेश कुमार दिनमणि

MAJOR COURSE- MJ - 10

खोरठा का नाट्य साहित्य

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्रके उत्तर खोरठा में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के गद्य विधा नाटक की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. एक जीवंत और जनता के साथ सीधे जुड़ने के सशक्त साहित्य के रूप नाटक साहित्य की जानकारी विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

नाटक का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि नाटक एवं नाटककार।

इकाई 1. नाटक की परिभाषा, परिचय, नाट्य साहित्य के भेद, नाटक के तत्व, विशेष्ताएँ, नाटक का महत्व, नाटक का उद्देश्य, भारतीय दृष्टिकोण, अभिनय तथा रंगमंच।

इकाई 2. खोरठा नाट्य साहित्य की परम्परा, खोरठा नाटक एवं एकांकी, खोरठा के प्रतिनिधि नाटक एवं नाटककार।

पाठ्य पुस्तक :–

1. **अजगर (नाटक) – विश्वनाथ दसौंधी राज**

सहायक पुस्तकें :–

1. काव्य के रूप – गुलाब राय
2. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन – डॉ. अर्चना कुमारी
3. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्भव एवं विकास) – डॉ. बी. एन. ओहदार
4. खोरठा भासा–साहितेक विकास–जातरा – डॉ. दिनेश कुमार दिनमणि

MAJOR COURSE- MJ 11

भारतीय एवं झारखण्डी साहित्य का अंतर्संबंध

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75(ESE : 3Hrs)=100 | Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्रके उत्तर हिंदी में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. भारतीय साहित्य के अन्तर्गत विद्यार्थी विभिन्न प्रदेशों के भाषाओं के साहित्य के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी भारतीय साहित्य के जनपदीय साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
3. विद्यार्थियों में अन्य प्रदेशों के साहित्य के माध्यम से भारतीयता का समग्र बोध हो सकेगा।

प्रस्तावित संरचना :–

भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. भारतीय साहित्य – तमिल, बंगला, उड़िया, असमिया, छत्तीसगढ़ी, मैथिली, मगही साहित्य आदि।

इकाई 2. भारतीय साहित्य और झारखंडी साहित्य – आदान–प्रदान प्रभाव, प्रवृत्ति, विचार (हिंदी, उड़िया, बंगला, छत्तीसगढ़ी, मैथिली, मगही साहित्य आदि) के संदर्भ में।

सहायक पुस्तकें :–

1. भारतीय साहित्य की रूपरेखा – डॉ. भोलाशंकर व्यास
2. भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा
3. आधुनिक भारतीय साहित्य – डॉ. राजेन्द्र मिश्र

Semester – VI

MAJOR COURSE- MJ 12

हिन्दी साहित्य का इतिहास, काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr) + 75(ESE : 3Hrs)=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40
	(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्रके उत्तर हिंदी में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम के इस अश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. इससे विद्यार्थी हिन्दी साहित्य का इतिहास के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकालीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

हिन्दी साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. आदिकालीन भारतीय साहित्य – सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य एवं आदिकालीन स्वतंत्र साहित्य– लौकिक पद्य एवं गद्य साहित्य।

इकाई 2. मध्यकालीन भारतीय साहित्य – भक्ति आंदोलन, निर्गुण– ज्ञानमार्गी व प्रेममार्गी धारा, सगुण– राम मार्गी, कृष्णमार्गी आदि काव्यों का परिचय।

इकाई 3. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि।

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल
3. हिन्दी साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह

MAJOR COURSE- MJ-13

सामान्य भाषा विज्ञान

Marks : 25 (5atd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिंदी अथवा अंग्रेजी में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा:–

1. विद्यार्थी भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की परंपरा, अध्ययन की विधियाँ, अंग, भाषाओं के उद्भव–विकास, वर्गीकरण आदि के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. भाषा की संरचना, भाषा के तत्त्वों, विविध रूपों के प्रारम्भिक एवं विकासात्मक स्वरूप एवं लिपि और लेखन प्रणाली से परिचित हो सकेंगे।
3. भाषा के स्वरूपगत, व्यवहारगत विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

सामान्य भाषा विज्ञान का परिचय

इकाई 1 : भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग एवं शाखाएँ, भाषा विज्ञान का अन्य ज्ञानात्मक विषयों से संबंध, भाषा विज्ञान की उपयोगिता।

इकाई 2 : भाषा की परिभाषा, भाषा के विविध रूप, भाषाओं का वर्गीकरण, भाषा की संरचना, विविध घटक, भाषा की प्रवृत्तियाँ एवं महत्व, भाषा परिवर्तन के कारण आदि।

इकाई 3. : ध्वनि–विज्ञान, शब्द–विज्ञान, अर्थ–विज्ञान, पद–विज्ञान, वाक्य–विज्ञान, शैली–विज्ञान, कोश–विज्ञान, लिपि–विज्ञान।

सहायक पुस्तकें :–

1. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
4. भाषाविज्ञान – कपिलदेव शर्मा

MAJOR COURSE- MJ 14

खोरठा का भाषा विज्ञान

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्रके उत्तर खोरठा में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा की विशेषताओं उसके भाषाविज्ञानी स्वरूप की गहरी समझ प्राप्त कर सकेंगे।
2. भाषा के विभिन्न तत्त्वों के आधार पर खोरठा भाषा की विवेचना कर सकेंगे।
3. खोरठा भाषा की ध्वनिगत, शब्दगत, पद/रूपगत, वाक्यगत और अर्थगत विशेषताओं व प्रवृत्तियों का अनुशीलन कर सकेंगे।
4. खोरठा के विविध क्षेत्रीय रूपों का परिचय और मानक रूप के विकास की दिशा का अध्ययन कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

खोरठा भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय

इकाई 1. खोरठा भाषा का परिचय, परिभाषा, उत्पत्ति, विशेषता, भाषा परिवर्तन के कारण, बोली और भाषा में अन्तर।

इकाई 2. ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान।

इकाई 3. खोरठा भाषा के क्षत्रीय रूपों का भाषा–विज्ञानी परिचय और मानक परिनिष्ठित रूप के विकास की प्रक्रिया तथा दिशाएँ।

सहायक पुस्तकें :–

1. खोरठा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. ए.के. झा
2. खोरठा एवं नागपुरी का तुलनात्मक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. अरविन्द कुमार
3. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) – डॉ. बी. एन. ओहदार
4. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी

MAJOR COURSE- MJ 15

खोरठा की नवीन साहित्य विधाएँ

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्रके उत्तर खोरठा में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के आधुनिक गद्य साहित्य की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा भाषा के आधुनिक गद्य साहित्य में कथा साहित्य के अतिरिक्त कई अन्य विधाएँ हैं। विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से इसकी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. खोरठा के कथेतर साहित्य की विकास परंपरा और स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

खोरठा भाषा के गद्य साहित्य की कथेतर विधाएँ– निबंध, संस्मरण, जीवनी, यात्रावृत्तांत।

इकाई 1 : निबंध साहित्य – परिभाषा, परिचय व विशेषताएँ, खोरठा संस्मरण साहित्य का उद्‌भव–विकास ।

इकाई 2. : संस्मरण – परिभाषा, परिचय व विशेषताएँ, खोरठा संस्मरण साहित्य का उद्‌भव–विकास ।

इकाई 3 : जीवनी – परिभाषा, परिचय व विशेषताएँ, खोरठा जीवनी साहित्य का उद्‌भव–विकास ।

इकाई 4 : यात्रा–वृत्तांत– परिभाषा, परिचय व विशेषताएँ, खोरठा यात्रावृत्तांत साहित्य का उद्‌भव–विकास।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक :–

खोरठा गइद–पइद संगरह – प्रधान संपादक : ए. के. झा

पाठ के नाम –

1. उड़ीस महातम(ललित निबंध) ले –महेश गोलवार,
2. *बरवा अड्डाक अखइ बोर(संस्मरण)* ले.– शांति भारत;
3. *बोड़ बुजरुक बिरसा(जीवनी) :* ले.– ए. के. झा,
4. *दार्जिलिंग आर गंगटोकेक जातरा(यात्रा वृत्तांत)* ले – डॉ. चतुर्भुज साहु)

सहायक पुस्तकें :–

1. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन – डॉ. अर्चना कुमारी
2. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) – डॉ. बी. एन. ओहदार
3. काव्य के रूप – गुलाब राय
4. खोरठा भासा–साहितेक विकास–जातरा – डॉ. दिनेश कुमार दिनमणि

Semester – VI

MAJOR COURSE- MJ 16

खोरठा भाषा की पत्र-पत्रिकाएँ

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश के अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा:–

1. संचार माध्यमों की जानकारी देना इस पत्र का मुख्य उद्देश्य है।
2. विचारों का संवहन, प्रचार–प्रसार संचार माध्यमों के महत्व और उनकी उपयोगिता को समझ सकेंगे।
3. खोरठा भाषा के विकास और इसके साहित्य के प्रचार–प्रसार में इनकी भूमिका को विद्यार्थी जान सकेंगे व इसके महत्व को समझेंगे।
4. अपने सृजनात्मक लेखन और उसके प्रकाशन में पत्र–पत्रिकाओं की ओर उन्मुख हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

खोरठा भाषा के पत्र–पत्रिकाओं का सामान्य परिचय

इकाई 1. खोरठा भाषा के पत्र–पत्रिकाओं का इतिहास – दैनिक, सप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक एवं वार्षिक।

इकाई 2. खोरठा भाषा के पत्र–पत्रिकाओं का क्रमिक विकास।

इकाई 3. खोरठा भाषा साहित्य में पत्र–पत्रिकाओं का योगदान।

इकाई 4. खोरठा भाषा के पत्र–पत्रिकाओं की वर्तमान स्थिति एवं कारण आदि।

सहायक पुस्तकें :–

1. खोरठा शिष्ट साहित्य – डॉ. अर्चना कुमारी
2. खोरठा की प्रमुख पत्रिकाएँ – तितकी, लुआठी, इंजोर, अखरा, करील आदि।
3. खोरठा भासा–साहितेक विकास–जातरा – डॉ. दिनेश कुमार दिनमणि

Semester – VII

MAJOR COURSE- MJ 17

साहित्य सिद्धांत

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75(ESE : 3Hrs)=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. विद्यार्थी काव्य की अवधारणा, स्वरूप, भेद, रूप, संरचना, तत्व– रस, छंद, अलंकार के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. महाकाव्य, प्रबंध काव्य, खंडकाव्य आदि के विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
3. काव्य की सामान्य समझ प्राप्त कर नवीन रचनाओं के सृजन की ओर अग्रसर होंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

साहित्य सिद्धांत का सामान्य परिचय

इकाई 1. काव्य/साहित्य की परिभाषा, हेतु, प्रयोजन, तत्त्व, गुण–दोष, रूप का अध्ययन।

इकाई 2. साहित्य की विविध विधाएँ– काव्य, प्रबंध काव्य, खंड काव्य, गीतिकाव्य, चंपू, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, जीवनी, संस्मरण, डायरी, रिपोतार्ज, समीक्षा, समालोचना आदि के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन।

इकाई 3. शब्द–शक्ति, रस निरूपण, छंद, अलंकार के परिभाषा एवं भेद–प्रभेद, साधारणीकरण : अर्थ एवं परिभाषा।
छंद– चौपाई, दोहा, रोला, कुंडलियाँ, सवैया, मंदाक्रान्ता ।
अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, वीप्सा, उपमा, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, संदेह, अतिशयोक्ति, विभावना आदि।

सहायक पुस्तकें :–

1. काव्य के तत्व – देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. काव्य के रूप – गुलाब राय
4. साहित्यालोचन – डॉ. श्यामसुन्दर दास
5. काव्य के तत्व और आयाम – डॉ. बी. पी. केशरी

MAJOR COURSE- MJ 18

अनुवाद विज्ञान

Marks : 25 (5atd. +20 SIE : 1Hr) + 75(ESE : 3Hrs)=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी गाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी इस पत्र में अनुवाद के मूलभूत सिद्धांतों से अवगत होंगे।
2. विद्यार्थी अनुवाद के महत्व और उसके विभिन्न स्वरूप का ज्ञान प्राप्त हो सकते हैं।
3. अनुवाद के व्यवहारिक पक्ष की समझ समझ प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी अन्य भाषा के उत्कृष्ट साहित्य के अनुवाद की दिशा में उद्वेरित होंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

अनुवाद विज्ञान का सामान्य परिचय और प्रयोग

इकाई १. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, उद्देश्य, विशेषताएँ, महत्व।

इकाई २. क्षेत्रीय भाषा-साहित्य के विकास में अनुवाद की आवश्यकता और व्यवहार।

इकाई ३. हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा से खोरठा अनुवाद एवं खोरठा से हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा में अनुवाद का अभ्यास।

सहायक पुस्तकें :-

1. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान - राज गोपाल सिंह
3. अनुवाद कला : सिद्धांत एवं प्रयोग - राजमणि शर्मा
4. अनुवाद कला - डॉ. विश्वनाथ अय्यर

MAJOR COURSE- MJ -19

भारतीय साहित्य

Marks : 25 (5atd. +20 SIE : 1Hr.) + 75(ESE : 3Hrs)=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. इससे विद्यार्थी भारतीय साहित्य परंपरा के विविध चरणों के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. प्राचीन भारतीय साहित्य– वेद, पुराण, उपनिषद, ब्राह्मण, आरण्यक आदि ग्रंथों से परिचित हो सकेंगे।
3. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों के साहित्य रूपों और प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
4. भारतीय साहित्य परंपरा के क्रम में अपनी भाषा के साहित्यिक विकास परंपरा को समझ सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. वेद, पुराण, उपनिषद, ब्राह्मण, आरण्यक आदि ।

इकाई 2. रामायण, महाभारत तथा कालिदास और भवभूति के साहित्यों का सामान्य परिचय।

इकाई 3. हिंदी साहित्य का आदिकाल, भक्तिकाल और आधुनिक काल का छायावाद और प्रगतिवाद।

सहायक पुस्तकें :–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. वैदिक साहित्य का इतिहास – प्रोफेसर पारसनाथ द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र।

MAJOR COURSE- MJ 20

सामान्य जाति विज्ञान

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40
	(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः–

1. विद्यार्थी जातिविज्ञान की अवधारणा, अध्ययन क्षेत्र और महत्व की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी सामान्य जाति विज्ञान के अंतर्गत भारत में निवास करने वाले सभी जातियों के जातिगत संरचना की जानकारी पा सकेंगे।
3. विद्यार्थी विविध मानव प्रजातियों एवं समुदायों की सामाजिक संरचनाओं, सांस्कृतिक विशेषताओं, रूढ़िगत प्रथाओं, निषेध–वर्जनाओं, पारंपरिक आर्थिक क्रियाकलापों, पारंपरिक शासन व न्याय व्यवस्थओं आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. सभ्यता के विकास और आधुनिक विकास की धारा से जनजाति समुदायों में आ रहे परिवर्त्तन की समझ और उनके लिए सरकार की योजनाओं की जानकारी पा सकेंगे। विशेषतः झारखण्ड के संदर्भ में।

प्रस्तावित संरचना :–

सामान्य जाति विज्ञान का परिचय

इकाई 1. जाति विज्ञान की अवधारणा, परिभाषा एवं स्वरूप, अध्ययन का उद्देश्य, मुख्य शाखाएँ, उपयोगिता एवं वैशिष्ट्य, संस्कृति की अवधारणा और परिवर्तन तथा अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई 2. जाति विशेष की उत्पत्ति, इतिहास, प्रवर्जन, आर्थिक–व्यवस्था, सामाजिक–व्यवस्था, धार्मिक–व्यवस्था, राजनीतिक–व्यवस्था, पर्व–त्योहार, वर्जनाएँ, औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के प्रभाव, जनजाति व गैरजनजातियों का विकास, समस्याएँ एवं संभावनाएँ।

सहायक पुस्तकें :–

1. नृजाति विज्ञान – डॉ. निरंजन कुमार
2. झारखण्ड की जनजातियाँ – डॉ. बिमला चरण शर्मा
3. झारखण्ड की जनजातियाँ – डॉ. चतुर्भुज साहु
4. झारखंड : इतिहास एवं संस्कृति – डॉ. बी. वीरोत्तम
5. झारखण्ड के सदान – डॉ. वी. पी. केशरी
6. झारखण्ड के सदानों का इतिहास – डॉ. बिरेन्द्र साहु

ADVANCE MAJOR COURSE- AMJ -1

झारखण्डी कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था

Marks : 25 (5 Atd. +20 SIE : 1Hr) + 75(ESE : 3Hrs)=100 | Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा:–

1. विद्यार्थी झारखण्डी समुदाय की पारम्परिक शासन–व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. झारखण्डी समाज में सामाजिक व्यवस्था और न्याय के लिए पारंपरिक शासन–व्यवस्था की प्रासंगिकता पर विचार कर पाएंगे।
3. झारखण्डी कानून के नियम–परिनियमों से परिचित हो सकेंगे।
4. झारखण्ड के निवासियों की मौलिक पहचान और परिसंपतियों की रक्षा में पारंपरिक शासन–व्यववस्था और पुराने कानून की उपादेयता की समझ विकसित कर पाएँगे।

प्रस्तावित संरचना :–

झारखण्डी कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था का सामान्य परिचय

इकाई 1. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सी.एन.टी. एक्ट 1908 अधिनियम)

संतालपरगना काश्तकारी अधिनियम (एस.पी.टी. एक्ट अधिनियम)

इकाई 2. पेसा (PESA) कानून 'द प्रोविजनल ऑफ पंचायत एक्टेंशन टू द शिड्यूल्ड एरिया–1996 एवं विल्किन्सन रूल'

इकाई 3. पारम्परिक शासन व्यवस्था–मुण्डा–मानकी व्यवस्था, पड़हा–पंचायत व्यवस्था, मांझी परगनैत व्यवस्था,

डोकलो–सोहोर व्यवस्था, ग्रामसभा व्यवस्था, पाहन, महतो, दिवान, कोटवार आदि।

सहायक पुस्तकें :–

1. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम – डी. पी. नरूला
2. संताल परगना काश्तकारी अधिनियम – क्राउन पब्लिकेशन
3. झारखण्डी पंचायती राज अधिनियम 2001 – रश्मि कात्यायन
4. आदिवासियों की पारम्परिक शासन व्यवस्था एवं पंचायती राज : संदर्भ झारखण्ड – सं. सुधीर पाल
5. आदिवासी अधिकार – सं. रमेश जेराई
6. झारखण्ड लैण्ड मैनुअल – रश्मि कात्यायन
7. खड़िया जनजाति की पारम्परिक शासन–व्यवस्था – चन्द्र किशोर केरकेट्टा
8. हो जनजाति की पारम्परिक मानकी मुण्डा स्वशासन व्यवस्था – कमल लोचन कोड़ाह 'हो'
9. भूमि हस्तांतरण का जनजातियों के सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर प्रभाव – डॉ. हीरा मणि कुमारी
10. झारखण्ड में आदिवासियों की पारम्परिक स्वशासन व्यवस्था संताल, पहाड़िया, हो, मुण्डा, उराँव, खड़िया – बीर सिंह सिंकु

ADVANCE MAJOR COURSE- AMJ 2

खोरठा भाषा का प्रकीर्ण साहित्य

Marks : 25 (Satd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100 | Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर खोरठा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. इससे विद्यार्थी खोरठा भाषा के प्रकीर्ण साहित्य के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. लोक साहित्य में लोक भावना, लोक ज्ञान और लोक परम्परा रहती है। इससे विद्यार्थी लोक साहित्य एवं उसके स्वरूप, विशेषताओं आदि के बारे में जान सकेंगे।
3. खोरठा वं प्रकीर्ण साहित्य से अवगत हो सकेंगे।
4. विद्यार्थी खोरठा के प्रकीर्ण साहित्य के अध्ययन से संबंधित लोक परिवेश का भी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

खोरठा भाषा के प्रकीर्ण साहित्य का परिचय एव बोध

इकाई–1 : प्रकीर्ण साहित्य : परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं वर्गीकरण ।

इकाई–2 : मुहावरा – परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं वर्गीकरण ।

इकाई–3. : लोकोक्ति – परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं वर्गीकरण ।

इकाई–4. : पहेली एवं मंत्र– परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं वर्गीकरण ।

सहायक पुस्तकें :–

1. खोरठा लोक साहित्य – शिवनाथ प्रमाणिक
2. खोरठा लोकसाहित – कल्याण विभाग, झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची (झारखण्ड सरकार)
3. खोरठा लोक साहित्य – डॉ. भोलानाथ महतो
4. खोरठा भासा–साहितेक बिकास जातरा – डॉ. दिनेश कुमार दिनमणि

ADVANCE MAJOR COURSE- AMJ 3

झारखण्डी समुदाय के संस्कार एवं संस्कृति

Marks : 100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40
	(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः–

1. विद्यार्थी झारखण्डी समुदाय के सभी महत्वपूर्ण संस्कारों एवं संस्कृतियों को जान पायेंगे।
2. विद्यार्थी जनजातीय एवं पारंपरिक झारखण्डी समुदाय की रूढ़िगत प्रथाओं के बारे में जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी झारखण्ड के पर्व–त्योहारों से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

झारखण्डी समुदाय के संस्कार एवं संस्कृति का सामान्य परिचय

इकाई 1. – संस्कृति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा, झारखण्डी संस्कृति की विशेषताएँ एवं परिवर्तन के कारण।

इकाई 2. – झारखण्ड की जनजातीय एवं पारंपरिक समुदायों (सदानों) का सामान्य परिचय,

सामाजिक–सांस्कृतिक परंपराएँ प्रथाएँ, गतिविधियाँ –जन्म, नामकरण, मुण्डन, कर्णभेदी, विवाह, सहियारी/फूल–परान, मृत्यु–संस्कार आदि।

इकाई 3. – पर्व–त्योहार : फगुवा, सरहुल, मंडा/बिसु, आसारी, मनसा पूजा, करम, जितिया, दसँय, सोहराय,

नवाखानी, बउँड़ी/टुसू, जतरा आदि।

सहायक पुस्तकें :–

1.	झारखण्ड की जनजातियाँ	–	डॉ. चतुर्भुज साहु
2.	नृजाति विज्ञान	–	डॉ. निरंजन कुमार
3.	समाज और संस्कृति	–	डॉ. श्याम चरण दुबे
4.	पर्व–त्योहार, मेले और पर्यटन	–	संजय कृष्ण
5.	उराँव एवं सदान संस्कृति	–	डॉ. गिरिधारी राम गौंझू

RESEARCH COURSE - RC-1 (In Lieu of AMJ)

अनुसंधान योजना एवं तकनीक

Marks : 25 (5 Atd. +20 SIE : 1Hr.) + 75(ESE : 3Hrs)=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40

(Credits : Theory 40) 60 hours

(only for Hons with Rresearch Degree)

इस पत्र के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः–

1. विद्यार्थी अकादमिक अनुसंधान की अवधारणा, विशेषत और महत्व की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी अनुसंधान के प्रकारों और संबंधित तकनीकी की जानकारी पा सकेंगे।
3. विद्यार्थी शोध के लिए समुचित विषय चयन और प्रारूप निर्माण की आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी में शोध दृष्टि का निर्माण होगा और शोध–अनुसंधान के प्रति रुचि बढ़ेगी।

प्रस्तावित संरचना :

अनुसंधान योजना एवं तकनीक

इकाई 1 : अकामदमिक अनुसंधान की अवधारणा, प्रकार, विशेषताएँ और महत्व।

इकाई 2 : अनुसंधान की तकनीकें : तकनीक के भेद, भाषा–साहित्य पर शोध–अनुसंधान की तकनीक– विधि, परिकल्पना, आँकड़ा/सूचना संग्रहन, वैयक्तिक अध्ययन, साक्षात्कार, अवलोकन, अध्ययन, विश्लेषण, दस्तावेजीकरण, पाद–टिप्पणी, शोधप्रबंध बनाना आदि।

इकाई 3 : शोध प्रारूप निर्माण, प्रस्तावना, अध्यायीकरण, आधार ग्रंथ सूची निर्माण, संदर्भ सूची संग्रह आदि।

इकाई 4 : लोकभाषा के साहित्य, संस्कृति और लोक समुदाय पर अनुसंधान की चुनौतियाँ और सावधानियाँ।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1.	शोध प्रविधि	–	डॉ. निरंजन कुमार
2.	अनुसंधान परिचय	–	पारसनाथ राय
3.	अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया	–	एस. एस. गणेशन
4.	शोधः प्रविधि और प्रक्रिया	–	डॉ. हरीश अरोड़ा
5.	कम्प्यूटर और मीडिया	–	प्रो. भगवान देव पाण्डेय

RESEARCH COURSE- RC 2

परियोजना कार्य/क्षेत्रीय कार्य/शोध प्रशिक्षण कार्य

Marks : 50(Mid sem) + 150)=200	Pass Marks : practical + Viva)=80

(Credits : 8

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः–

1. इस पत्र से विद्यार्थियों में शोध कार्य की अभिरुचि एवं शोध दृष्टि का समावेश हो सकेगा।
2. विद्यार्थियों के लघुशोध/परियोजना कार्य से संबंधित विषयों पर अनुसंधान हो सकेगा।
3. शोध प्रविधि से प्राप्त ज्ञान को विद्यार्थी लघु आकार में उसका व्यावाहारिक रूप देने का अभ्यास कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी परियोजना कार्य/क्षेत्रीय कार्य का अभ्यास कर सकेंगे

प्रस्तावित संरचना :–

परियोजना कार्य/क्षेत्रीय कार्य/शोध प्रशिक्षण कार्य

इकाई 1. परियोजना कार्य/क्षेत्रीय कार्य/शोध प्रशिक्षण कार्य (यह लेखन लगभग सौ पृष्ठों का होगा)।

इकाई 2. क्षेत्र–भ्रमण से किये गये अध्ययन का प्रतिवेदन (कम–से–से तीस पृष्ठों में) प्रस्तुत करेंगे।

विषय क्षेत्र – खोरठा भाषा, साहित्य, संस्कृति, समाज, समुदाय, लोककला, लोक साहित्य, लोक संस्कृति, सामाजिक, समस्याएँ, विशिष्टिताएँ, दर्शनीय स्थल, ऐतिहासिक, पुरातात्विक तथ्य आदि ।

MINOR ELECTIVE - MN 3

झारखण्ड की पारम्परिक पाक कला एवं पारम्परिक चिकित्सीय ज्ञान

Marks : 25 (5atd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40
	(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. विद्यार्थी झारखण्डी समुदाय के पारम्परिक भोजन, पाक कला एवं पारम्परिक औषधीय ज्ञान से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी सभी प्रकार के पारम्परिक पकवानों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी रोग निरोधक औषधीय गुणों से परिचत होंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

झारखण्डी समुदाय का पारम्परिक पाक कला एवं पारम्परिक पारम्परिक चिकित्सीय ज्ञान का सामान्य परिचय

इकाई 1. पारम्परिक पाक कला – मड़ुआ रोटी, मकई–सरई–महुआ लाठा, मड़ुआ लेटो, धुसका, बारा, खपरपोड़वा, दुघौरी, छिलका रोटी, थापा रोटी, पुवा, अइरसा रोटी, टांगा पीठा, गुदनु पीठा, मीट–मछली पकाने की कला आदि।

इकाई 2. पारम्परिक चिकित्सीय ज्ञान – सामान्य वनस्पति, जंगली वनस्पति, घरेलु उपयोगी वनस्पति आदि।

सहायक पुस्तकें :–

1. झारखण्ड की पारम्परिक रसोईकला – डॉ. विद्योत्तमा निधि
2. रंगइनी – अनिल कुमार गोस्वामी

COURSES OF STUDY FOR ABILITY ENHANCEMENT COURSE IN KHORTHA — ABILITY ENHANCEMENT COURSE- AEC 14A (SEM-III) —— I. KHORTHA

लेखन एवं प्रारूपण

Marks: 50 (ESE: 1.5 Hrs) = 50

इस पत्र के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परणाम निम्नवत होगाः

1. इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में भाषा संप्रेषण का विकास होगा।
2. इससे विद्यार्थी सभी प्रकार के कार्यालयी एवं संपादकीय पत्र लेखन आदि की कला सीख सकेंगे।
3. किसी भी भाषा को खोरठा में अनुवाद करने की कला को सीख पायेंगे।

प्रस्तावित संरचना :

लेखन एवं प्रारूपण के सिद्धांत और व्यवहार

इकाई 1. पत्र लेखन, कार्यालयी पत्र–व्यवहार, संपादकीय पत्र लेखन, आवेदन लेखन प्रतिवेदन–लेखन का सैद्धांतिक पक्ष।

इकाई 2. खोरठा में पत्र–लेखन, प्रतिवेदन लेखन।

इकाई 3. खोरठा भाषा से हिन्दी या अंग्रेजी में किसी गद्यांश का अनुवाद या संक्षेपण/पल्लवल।

लेखन एवं प्रारूपण विधि, रचना प्रक्रिया तथा वाक्यांश, शब्द एवं वाक्यों का अनुवाद

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. इससे विद्यार्थी लेखन प्रक्रिया को सीख सकेंगे।
2. किसी भी भाषा को खोरठा में अनुवाद करने की कला सीख पायेंगे।
3. सभी प्रकार के कार्यालयी पत्र एवं संपादकीय पत्र लेखन को सीख पायेंगे ।

प्रस्तावित संरचना :–

लेखन एवं प्रारूपण विधि का सामान्य परिचय

इकाई 1. पत्र लेखन, कार्यालयी पत्र–व्यवहार, संपादकीय पत्र लेखन, आवेदन लेखन।

इकाई 2. हिन्दी या अंग्रेजी से खोरठा भाषा में किसी गद्यांश अथवा पद्यांश का अनुवाद।

इकाई 3. खोरठा भाषा से हिन्दी या अंग्रेजी में किसी गद्यांश अथवा पद्यांश का अनुवाद।

सहायक पुस्तकें :–

1. रचनात्मक लेखन – डॉ. रमेश गौतम
2. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद

NUR-3

झारखण्ड की कृषि परंपरा एवं सम्बन्धित साहित्य

Marks : 25 (5atd. +20 SIE : 1Hr.) + 75=100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40
	(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस .चयअंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :–

1. कृषि उत्पाद में झारखण्ड के यागदान को बताना।
2. कृषि आधारित व्यवसायों को प्रोत्साहन देना।
3. रोजगार के अवसर प्रदान करना।
4. नयी कृषि तकनीक व उपकरणों के बारे में जानकारी देना।

प्रस्तावित संरचना :–

झारखण्ड की कृषि परंपरा, उत्पाद एवं इससे सम्बन्धित साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. पारम्परिक कृषि – धान, मडुवा, गोंदली, गोड़ा, उरिद, कुरथी, अरहर, तिल, सुरगुंजा, लाह आदि।

सब्जियों का उत्पादन – आलू, गोभी, गाजर, खीरा, सलजम, चना, मटर, आदि।

इकाई 2. नवीन व्यावसायिक कृषि– मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, मशरूम पालन।

इकाई 3. झारखण्डी कृषि एवं उससे सम्बन्धित लोकगीत।

सहायक पुस्तकें :–

1.बागवानी कला – पुस्तक महल

2.कृषि एवं प्रौद्योगिकी – एक्सपर्ट ऑफ पैनल

ADVANCE MAJOR COURSE- AMJ 3

झारखण्डी समुदाय के संस्कार एवं संस्कृति

Marks : 100	Pass Marks : Th(SIE+ESE)=40
	(Credits : Theory 40) 60 hours

इस पत्र के उत्तर हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित हैं।

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः–

1. विद्यार्थी झारखण्डी समुदाय के सभी महत्वपूर्ण संस्कारों एवं संस्कृतियों को जान पायेंगे।
2. विद्यार्थी जनजातीय एवं पारंपरिक झारखण्डी समुदाय की रूढ़िगत प्रथाओं के बारे में जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी झारखण्ड के पर्व–त्योहारों से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना :–

झारखण्डी समुदाय के संस्कार एवं संस्कृति का सामान्य परिचय

इकाई 1. – संस्कृति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा, झारखण्डी संस्कृति की विशेषताएँ एवं परिवर्तन के कारण।

इकाई 2. – झारखण्ड की जनजातीय एवं पारंपरिक समुदायों (सदानों) का सामान्य परिचय,

सामाजिक–सांस्कृतिक परंपराएँ प्रथाएँ, गतिविधियाँ –जन्म, नामकरण, मुण्डन, कर्णभेदी, विवाह, सहियारी/फूल–परान, मृत्यु–संस्कार आदि।

इकाई 3. – पर्व–त्योहार : फगुवा, सरहुल, मंडा/बिसु, आसारी, मनसा पूजा, करम, जितिया, दसँय, सोहराय,

नवाखानी, बउँड़ी/टुसू, जतरा आदि।

सहायक पुस्तकें :–

1.	झारखण्ड की जनजातियाँ	–	डॉ. चतुर्भुज साहु
2.	नृजाति विज्ञान	–	डॉ. निरंजन कुमार
3.	समाज और संस्कृति	–	डॉ. श्याम चरण दुबे
4.	पर्व–त्योहार, मेले और पर्यटन	–	संजय कृष्ण
5.	उराँव एवं सदान संस्कृति	–	डॉ. गिरिधारी राम गौंझू